



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II-खण्ड 3-उप-खण्ड (i)

PART-II-Section 3-Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 290 ]  
No. 290]

नई दिल्ली, मंगलवार, जुलाई 4, 1995/आषाढ़ 13, 1917  
NEW DELHI, TUESDAY, JULY 4, 1995/ASADHA 13, 1917

वित्त मंत्रालय  
राजस्व विभाग

अधिसूचना  
नई दिल्ली, 4 जुलाई, 1995  
सं. 102/95-केन्द्रीय उत्पाद शुल्क

सा. का. नि. 529अ--केन्द्रीय सरकार, अतिरिक्त उत्पादन शुल्क विशेष महत्व का माल अधिनियम, 1957 § 1957 का 58 § की धारा 3 की उपधारा § 3 § के साथ पठित केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 § 1944 का 1 § की धारा 5क की उपधारा § 1 § द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, अपनी यह राय होने पर कि महाराष्ट्र और कर्नाटक राज्य में आया भूकंप एक व्यापक विपत्ति थी और प्रभावित लोगों को हुई असाधारण कठिनाई संबंधी परिस्थितियों पर विचार करते हुए यह समाधान हो जाने पर भी कि लोकीहित में ऐसा करना आवश्यक है, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1985 § 1985 का 5 § की अनुसूची के अंतर्गत आने वाले ऐसे सभी उत्पाद-शुल्क माल को, जो उक्त राज्यों में भूकंप से प्रभावित लोगों की राहत और पुनर्वास के लिए वान में दिया गया है या नकदी वान से क्रय किया गया है, उपरोक्त वर्णित दोनों अधिनियमों के अधीन उस पर उद्ग्रहणीय समस्त उत्पाद-शुल्क से निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए छूट देती है, अर्थात् --

§ 1 § ऐसे माल के विनिर्माता द्वारा सुसंगत निकासी वस्तुवेजों पर यह प्रमाणित किया जाता है कि माल उक्त राज्यों में भूकंप से प्रभावित लोगों की राहत और पुनर्वास के लिए वान में दिए जाने के लिए आशयित है तथा उस पर कोई प्रभार नहीं लिया जाएगा;

§ 2 § माल सीधे विनिर्माता के कारखाने या भंडागार से यथास्थिति, केन्द्रीय सरकार, महाराष्ट्र सरकार/कर्नाटक सरकार या केन्द्रीय सरकार या महाराष्ट्र सरकार/कर्नाटक सरकार के राहत अधिकरणों को जिनके अंतर्गत सरकार द्वारा सम्यक रूप से अनुमोदित राहत अधिकरण भी है, भेजा जाता है; और